प्री–बोर्ड परीक्षा 2021–22

कक्षा -12 (सामान्य हिंदी)

केवल प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे 15 मिनट | पूर्णांक – 100

निर्देश— प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

1. (क) 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं— 1

(i) इंशाअल्ला खाँ (ii) सदासुखलाल
(iii) लल्लूलाल (iv) सदल मिश्र

(ख) 'आवारा मसीहा' नामक जीवनी-विधा के लेखक हैं— 1

(i) धर्मवीर भारती (ii) विष्णु प्रभाकर
(iii) मोहन राकेश (iv) यशपाल

(ग) 'हिन्दी एकांकी का जनक' माना जाता है— 1

(i) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' (ii) मुंशी प्रेमचन्द्र
(iii) मोहन राकेश (iv) डॉ० रामकुमार वर्मा

(घ) 'स्कन्दगुप्त' नाटक के लेखक हैं— 1

(i) मुंशी प्रेमचन्द (ii) जयशंकर प्रसाद
(iii) लक्ष्मीनारायण मिश्र (iv) धर्मवीर भारती

(ङ) 'आनन्द कादम्बिनी' नामक पत्रिका के सम्पादक थे— 1

(i) महावीरप्रसाद द्विवेदी (ii) बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
(iii) मुंशी प्रेमचन्द (iv) बालकृष्ण भट्ट

2. (क) 'विनयपत्रिका' किस भाषा पर आधारित कृति है? 1

(i) अवधी (ii) ब्रजभाषा
(iii) खड़ीबोली (iv) भोजपुरी

(ख) निम्नलिखित कवियों में से छायावादी कवि हैं— 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) बिहारी
(iii) नागार्जुन (iv) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

(ग) सुमित्रानन्दन पन्त को उनकी किस रचना पर 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' मिला? 1

(i) लोकायतन (ii) युगान्त

(iii) कला और बूढ़ा चाँद (iv) चिदम्बरा

(घ) 'कामायनी' महाकाव्य में सर्गों की संख्या है— 1

(i) नौ (ii) बारह

(iii) पन्द्रह (iv) सत्रह

(ङ) 'छायावाद के प्रवर्तक' माने जाते हैं— 1

(i) सुमित्रानन्दन पन्त (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $5 \times 2 = 10$

मुझे मानव जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्ष का रूप साफ दिखाई दे रहा है। मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है। न जाने कितने धर्माचारी विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है। संघर्षों से मनुष्य ने नई शक्ति पाई है। हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है। देश की, जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है। सब कुछ मिलावट है, सब कुछ अविशुद्ध है। शुद्ध केवल मनुष्य की दुर्दम जिजीविषा (जीने की इच्छा) है। वह गंगा की अबाधित-अनाहत धारा के समान सब कुछ को हजम करने के बाद भी पवित्र है।

(i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) मनुष्य की जीवनी-शक्ति कैसी है?

(iv) आज हमारे सामने समाज का स्वरूप कैसा है?

(v) लेखक ने मनुष्य की जिजीविषा को किस रूप में प्रस्तुत किया है?

अथवा

मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है। उदाहरण के तौर पर, मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ, लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अन्ततः हमारी आजादी को बनाए रखने में सहायक है। आप अपने आस-पास देखेंगे तो पाएँगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती। किसी बगीचे में जाइए। मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी। अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपके अनन्त तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे।

(i) लेखक किनको एक-दूसरे का विरोधी नहीं मानता?

(ii) डॉ० कलाम समृद्धि की कद्र क्यों करते हैं?

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने छात्रों को क्या सन्देश दिया है?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) प्रस्तुत पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $5 \times 2 = 10$

सुख भोग खोजने आते सब,
आए तुम खोजने सत्य-खोज,
जग की मिट्टी के पुतले जन,
तुम आत्मा के, मन के मनोज!
जड़ता, हिंसा, स्पर्द्धा में भर
चेतना, अहिंसा, नव ओज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज!

(i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) अधिकांश मनुष्य संसार में आकर किसकी खोज में लग जाते हैं?

(iv) गांधीजी का भौतिकवादी मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ा?

(v) 'तुम आत्मा के, मन के मनोज!' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार होगा?

अथवा

शक्ति के विद्युतकण जो व्यस्त,
विकल बिखरे हैं, हो निरूपाय;
समन्वय उसका करें समस्त,
विजयिनी मानवता हो जाय।

(i) इन पंक्तियों में श्रद्धा ने मनु को कौन-सी बात बताई है?

(ii) श्रद्धा मनु को किस प्रकार मानवता का साम्राज्य स्थापित करने के लिए प्रेरित करती है?

(iii) 'विकल' और 'निरूपाय' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।

(v) कविता के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए—(अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए—(अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) सुमित्रानन्दन पन्त

6. 'ध्रुवयात्रा' *अथवा* 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

अथवा 'पंचलाइट' *अथवा* 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए—(अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'सत्य की जीत' कहानी का सारांश अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका की चारित्रिक विशेषताओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

(iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' का सार संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

अथवा 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अभिशाप-सर्ग' की कथावस्तु लिखिए।

अथवा 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड 'ख'

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2+5=7

याज्ञवल्क्य उवाच—न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति।

तस्माद् आत्मा वा अरे मैत्रेयि! द्रष्टव्यः दर्शनार्थं श्रोतव्यः, मन्तव्यः निदिध्यासितव्यश्च। आत्मनः खलु दर्शनेन इदं सर्वं विदितं भवति।

अथवा महापुरुषाः लौकिक-प्रलोभनेषु बद्धाः नियतलक्ष्यान्त कदापि भ्रश्यन्ति। देशसेवानुरक्तोऽयं युवा उच्चन्यायालयस्य परिधौ स्थातुं नाशक्नोत्। पण्डितमोतीलालनेहरू-लालालाजपरायप्रभृतिभिः अन्यैः राष्ट्रनायकैः सह सोऽपि देशस्य स्वतन्त्रतासङ्ग्रामेऽवतीर्णः। देहल्यां त्रयोविंशतितमे कांग्रेसस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलङ्कृतवान्। 'रोलट एक्ट' इत्याख्यस्य विरोधेऽस्य ओजस्विभाषणं श्रुत्वा आङ्ग्लशासकाः भीताः जाताः। बहुवारं कारागारे निक्षिप्तोऽपि अयं वीरं देशसेवाव्रतं नात्यजात्।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2+5=7

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत सुखम्।।

अथवा काव्य-शास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम्।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा।।

9. निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए— 1 + 1 = 2

(i) आँखों का तारा होना
(ii) नौ-दो ग्यारह होना
(iii) घर फूँक तमाशा देखना
(iv) लाल-पीला होना

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए—

(i) 'महर्षिः' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(क) मह + र्षिः (ख) म + हर्षिः

(ग) महा + ऋषिः (घ) महा + रिषिः

(ii) 'विद्यालयः' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(क) विद्या + लयः (ख) विद्य + आलयः

(ग) विद्या + आलयः (घ) विद्या + यालयः

(iii) 'मध्वरि' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(क) मधु + अरिः (ख) मधु + वरिः

(ग) म + ध्वरिः (घ) मध्व + रिः

(ख) निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार चयन कीजिए—

(i) 'आत्मनोः' में विभक्ति और वचन है– 1

(क) सप्तमी, द्विवचन (ख) षष्ठी, बहुवचन

(ग) पंचमी, बहुवचन (घ) प्रथमा, द्विवचन

(ii) 'नामनी' में विभक्ति और वचन है– 1

(क) चतुर्थी, एकवचन (ख) प्रथमा, द्विवचन

(ग) पंचमी, एकवचन (घ) षष्ठी, बहुवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए—

(i) पुरुष-परुष– 1

(क) नर और नारी (ख) आदमी और फरसा

(ग) पुरुष और पैसा (घ) आदमी और कठोर

(ii) जलज-जलद– 1

(क) बादल और कमल (ख) कमल और बादल

(ग) कमल और तालाब (घ) तालाब और कमल

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए— 1 + 1 = 2

(i) कर (ii) कनक (iii) अम्बर

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए—

(i) जिसकी सीमा न हो— 1

(क) सीमांत (ख) असीम (ग) ससीम (घ) सीमारहित

(ii) जिसके शत्रु का जन्म ही न हुआ हो— 1

(क) अजातशत्रु (ख) शत्रुहीन (ग) मित्रवान (घ) श्रेष्ठ मनुष्य

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए— 1+1=2

(i) मेरे को विद्यालय जाना है।

(ii) उनके अनेकों नाम हैं।

(iii) वह दंड देने योग्य है।

(iv) यहाँ शुद्ध गाय का दूध मिलता है।

12. (क) 'हास्य' रस *अथवा* 'शान्त' रस के स्थायी भाव के साथ उनकी परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 1+1=2

(ख) 'रूपक' अलंकार *अथवा* 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 1+1=2

(ग) 'सोरठा' *अथवा* 'दोहा' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 1+1=2

13. अपने मुहल्ले में गन्दगी की सफाई कराने हेतु नगरपालिका अध्यक्ष को एक शिकायती पत्र लिखिए। 2+4=6

अथवा

अपना कुटीर उद्योग प्रारम्भ करने हेतु किसी बैंक के बैंक-प्रबन्धक को ऋण प्रदान करने हेतु एक पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए— 2+7=9

(i) मेरा प्रिय कवि

(ii) स्वच्छता-अभियान की सामाजिक सार्थकता

(iii) पर्यावरण-प्रदूषण : समस्या और समाधान

(iv) आतंकवाद : समस्या और समाधान

(v) कोरोना वायरस और भारतीय अर्थव्यवस्था